



क्र. सं.

दिनांक आज्ञा  
या कार्यवाही

विषयित्व आराजापान पूर्व में सिक्किम की  
भूमि थी। जिसके मांगला व नामग  
पुत्रा मांगीलाल की वारस वारेके  
जमींदार मांगला व नामग को भूमि  
का पट्टा दे रखा था। बाद में  
होने पर मांगला व नामग स्वतः ही  
स्वतंत्र हो गये थे। सिन्धु गलती  
के उक्त भूमि सिन्धु पक्ष में  
हो गई।

प्राचीनता के लिए ने भूमि की  
स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए एक 45  
अंकित नम्बर 34/1963 नामक  
उपरोक्त आदेशों के अन्तर्गत  
न्यायालय द्वारा प्राचीनता के लिए का  
उक्त नम्बर 28.2-1966 को  
प्राचीनता के लिए का स्वतंत्रता-हक  
के लिए कर दिया। जिसकी मांग  
नामान्तरण नम्बर 262 दिनांक  
21-10-77 को रखा गया।

इसके बाद सु-प्रबन्धन नामक  
हो गया। प्राचीनता के लिए का  
अन्तर्गत होने पर नामान्तरण  
प्राचीनता के लिए रखा सिन्धु  
जमा 6 नंबर के तल से प्राचीनता का  
उक्त स्वतंत्रता रक्षित कर दिया।

67  
अधिकारी

दालय

बनाम  
वाजीसमल वरुण राज.स.र.कार.परिषे न.द.वी.न.द.वा.

दमा संख्या / वर्ष

प्रा.प्र. 58 / 2020

/ 20 साधारण

सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>शु-पुढन्त्य विभाग को खातेदारी के परिचरित कारके का कोड आदिपर गयी है। शु-पुढन्त्य विभाग की उक्त मूल कलैरिकल डिस्टेक की परिची के जारी है। इनकी डुकस्व विभा जाता आपइपक है।</p> <p>प्राकीगत का प्राफना-पत्र करणी पत्र 136 R.L.A. 2-वी.न.र. विभा जाकर शु-पुढन्त्य विभाग उक्त प्राकीगत को -उर खातेदार का इन्ड्राज कर दिया गया है। उक्तकी विस्त विभा जाकर प्राकीगत को खातेदार का इन्ड्राज विसे पाके की आइप प्रदान की जाये।</p> <p>दुजेके वरुण काकाकी / प्रवीकार काकर ने अपने पत्रक प्राफना-पत्र 238 26.8.20 में उक्ति रकमो को देखाते हुए बताया कि वाके गजत रयोनगोरियात साक्षिक रकम 24 32 रकम 8 बीघा 18 छिन्वा जिके दल रकम 3911, 3912, 3913 रकम 2-21 है। प्राकीगत का उर खातेदारी में दर्ज है।</p>	

रुखण्ड आधिकारी  
न.द.वी.न.द.वा. (साधारण)

काजोसल व अन्य काम राज. सरकार की  
 एसीलपर सांभाले

प्रा.प्रा. 56/2020

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विरत र.ग सं.	विशेष
		<p>न्यायालय उपरान्त कलकत्ता नगर                      के निर्णय दिनांक 28.2.1966 की                      पाठ्य की नामान्तरण करण 262                      21.10.1977                      अंगण नानक सिंह मांगीपाल मीका                      (बिवाह) रकनेनागोरिया के नाम रखादेरी                      का स्वीकृत हुआ है                      भूप्रबन्ध विभाग के प्रा. खतों के                      खार) करण 569 के उम्माद मीका                      नानक सिंह मांगीपाल पाठ्य मीका                      देह और खादेरी में दर्ज की गई है                      परन्तु खादेरी की मधु एके पर                      उनके धारिता के नाम नामान्तरण                      करण 168 दिनांक 24-4-1992                      नामान्तरण करण 185 दि. 24.7.92                      (अ) नामान्तरण करण 185                      दिनांक 24.7.1992 में नामान्तरण                      करण 262 का संघट्ट किया है                      भूप्रबन्ध विभाग डाक खोल गये हैं                      हमने एके वकील प्रा.प्रा.प्रा. एके                      कलकत्ता प्रीतम नन्दा एके मीका                      पर मकलम प्रतापकीसी नन्दा                      प्रस्तुत का कारवाही एके                      पर प्रा.प्रा. एके विवरित आसपास                      एके मीका 24.11.2432 एके                      एके 18 दिनांक एके एके एके एके</p>	<p>लिय</p> <p>ना संख्या /</p> <p>दिनांक या का</p>

पुनः प्रमाणित  
 जयपुर दिनांक

कमिश्नरि मिल वरुण

बनाम

राज कृष्णर परिषी रक्षी लदा

संख्या / वर्ष

प्राप्त 56/2020

संगिने /20

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>दिले रकम 3911, 3912, एव 3913  रकम 2.21 हे का मागाल उपसंग  आदिवादी मयुर द्वारा दिनांक 28-2-1966  को प्राप्तीगत के रूजि, मंगला नगर  पुन मांगीला ली का रवाते करी वरिद्ध  वी सिमरी पावलागे मामार करण  करका 262 दिनांक 21-10-1977 को  रखेला जमा का इक कारण से।  प्राप्तीगत की कर के बिना प्राप्तीगत  कराकरि चका 136 R L अल  स्वीकार किया जारा है  अ-प-क-न्य कारवाही के करीग प्राप्तीगत  को करे रवातेदार यज वर दिया गया  यो डुरुस्त किया जाकर रवातेदार  करिदिन किया जारा है। तदरि लदा  सांगिनेर को करिदिन दिया जारा  हे लो उपरोका उमा रमाच रिमरि  के प्राप्तीगत को करे रवातेदारी के  रवातेदारी करेन किया है।  पनाली कोकर कुमार के पार 56  नकर के का के कर रमाच  पनाली पार है।</p>	

उपरोक्त आज्ञा  
जयपुर जिला (सोपान)